किशोरों

आधुनिक समय सूचना क्रांति का है। सोशल मीडिया का प्रभाव लोगों पर तेजी से होती है। किशोरों पर सोशल मीडिया का असर ज्यादा है इसके सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव निम्न है। —

नकारात्मक प्रभाव :-

* सोशल मीडिया पर लोग तरह-तरह की तस्वीरें शेयर करते हैं जिनसे किशोरों पर काफी असर पड़ता है। सोशल साइटस पर तस्वीरों में दोस्तों को सिगरेट और शराब पीते हुए देखकर किशोर इससे दूर नहीं रह पाते।

* फिल्मों टीवी और वीडियो गेम में हिंसा ने हिंसा के लिए किशोरावस्था को बेकार कर दिया और आक्रमक व्यवहार को जन्म दिया।

* किशोरावस्था की छवियों को आसानी से चोरी और कहीं पोस्ट किया जा सकता है। किशोर जो कहीं में फिट नहीं होते हैं या समाने का पालन करते हैं,

उन्हें दूसरे के द्वारा, ऑनलाइन तंग किया जा सकता है।

* साइबरबुलिंग जो सबसे सामान्य प्रकार का हमला है और इसमें सोशल मिडिया, इमेल, टेक्सटिंग और फोरम के माध्यम से ताने और खतरे शामिल है।

सकारात्मक प्रभाव :-

* किशोर सोशल मीडिया का उपयोग मित्रों और परिवार के सदस्यों से जुड़ते हैं, नए दोस्तों से मिलते हैं।

* मीडिया द्वारा शैक्षिक कार्यक्रम किशोरों को सूचित करने और स्वास्थ्य जोखिमों के बारे में निर्णयों को हल करने में सहायता करते हैं।

* मीडिया के माध्यम मीडिया साक्षरता से किशोरों को सामाजिक दुनिया को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलेगी।

* मीडिया से मिलने वाली सूचना के स्रोत तक जाना वहाँ उसे पढ़ना बहुत

कम विद्यार्थी पसंद करते हैं। वहीं, ऐसी जानकारियों के बजाए किशोरों ने तथ्यों, समाचारों और सूचना के लिए सोशल मीडिया को अधिक भरोसेमंद माध्यम करार दिया है।

युवा वयस्को

आजकल मीडिया पर लगभग सभी लोग एक्टिव रहते हैं खासकर युवा पीढ़ी। मीडिया के दो पक्ष हैं एक यह कि यह बहुत जरूरी और लाभदायक है दूसरा पक्ष यह कि सोशल मीडिया का बहुत नुकसान भी और समय खराब करना है खासकर युवा पीढ़ी के लिए ही।

युवा पीढ़ी पर सकारात्मक प्रभाव भी रहता है तो नकारात्मक प्रभाव भी रहता है। जिसके पास स्मार्टफोन है वह सोशल मीडिया का उपयोग आवश्य करता है।

नकारात्मक प्रभाव :-

* वैसे तो सोशल मीडिया मनोरंजन करने का अच्छा माध्यम है लेकिन मनोरंजन के चक्कर में युवा पीढ़ी अपने अमूल्य

समय का उपयोग अपने भविष्य के लिए ना करके सोशल मीडिया में फंस गया है।

* जो दिमाग हम पढ़ाई में लगाते हैं युवा पीढ़ी वही दिमाग वह व्हाट्सएप और फेसबुक पर बर्बाद कर रहा है।

* मीडिया पर कई लोग भड़काऊ संदेश व वीडियो भेजते हैं जिसके कारण लोगों की मानसिकता पर काफी प्रभाव पड़ता है और कई लोग तो भड़काऊ संदेश व वीडियो देखने के बाद घिनौना अपराध तक कर बैठते हैं।

* पहले युवा खेलने और ऐसे मनोरंजन के खेल खेलते थे जिनसे उनका दिमाग तेज और एक्टिव रहता था। आजकल के युवा यह देखते हैं कि फेसबुक पर कल डाली फोटो पर कितने कमेंट आए या फिर अपने व्हाट्सएप पर मैसेज चेक करेगा।

सकारात्मक प्रभाव :-

* इससे इंटरनेट के माध्यम से ही युवा में बहुत समय बचता है। जिससे वह अपनी बाकी काम बाद में कर सकता है।

* आजकल सरकारी कामों की प्रक्रिया ऑनलाइन कर दी जो कि बहुत फायदेमंद है।

* इंटरनेट के माध्यम से युवा पीढ़ी बहुत कुछ सीख सकता है। आसानी से यहाँ उपलब्ध होता है।

जैसे :-

पढ़ाई करना, हाथ का काम सीखना, खाना बनाना सीखना इत्यादि।

* इसके साथ ही सोशल मीडिया दुनिया भर के समाज के ज्ञान को प्राप्त करने में युवा पीढ़ियों की सहायता कर सकती है।

इससे युवा व्यस्कों में सकारात्मकता की भावना उत्पन्न होती है।